गोलालारीय दिगम्बर जैन समाज विदिशा के चुनाव संपन्न

कन्छेदीलाल जैन, विदिशा । श्री गोलालारीय दिगम्बर जैन समाज विदिशा के द्विवार्षिक चुनाव श्री लल्लू लाला जैन एडवोकेट के मार्गदर्शन में संपन्न हुए । समाज के सात सदस्यों को निर्विरोध चुनाव हुआ – श्री अभय वैद्य, श्री नरेश जैन, श्री मुकेश जैन, श्री वीरेन्द्र जैन (वांसी), श्री जिनेश्वरदास जैन, श्री सुनील जैन ग्यारसपुर एवं श्री एस.के. सिंघई । तत्पश्चात दो सदस्यों को आप्शन के माध्यम से कार्यकारिणी में लिया गया – श्री के.के जैन, श्री नरेन्द्र जैन। बाद में श्री लल्लू लालाजी चुनाव अधिकारी की ही अध्यक्षता में सभी सदस्यों की सहमति से पदाधिकारियों का चुनाव किया गया ।

अध्यक्ष
श्री अभय वैद्य

उपाध्यक्ष
श्री एस.के. सिंघई

कोषाध्यक्ष
श्री वीरेन्द्र जैन (वांसी)

सचिव
श्री नरेश जैन

सहसचिव
श्री सुनील जैन ग्यारसपुर

सदस्य
मुकेश जैन

सदस्य
जिनेश्वरदास जैन

संरक्षक
के.के. जैन

संरक्षक
नरेन्द्र जैन

ललितपुर गोलालारीय समाज की टेलीफोन व मोबाईल पत्रिका विमोचन समारोह संपन्न ।

राकेश जैन डब्ल्यू, ललितपुर । श्री दि. जैन गोलालारीय समाज (रजि) ललितपुर द्वारा श्री दि. जैन बड़ा मंदिरजी के परिसर में टेलीफोन एवं मोबाईल पत्रिका विमोचन समारोह संपन्न हुआ । पत्रिका में पहली बार ललितपुर शहर के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों के साधर्मीजनों की जानकारी भी प्रकाशित की गयी । कमेटी सदस्यों द्वारा घर घर जाकर परिवारों से उनके टेलीफोन व मोबाईल नंबर संग्रहित कर पुस्तिका का प्रकाशन कराया गया। दिनांक 26.07.15 को एक भव्य समारोह का आयोजन करके पत्रिका समाज को समर्पित की गई । विमोचन कार्यमक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में सेठ चम्पालालजी नौहरकला, नेमीचंदजी देवरान, वरिष्ठ अधिवक्ता व पूर्व पार्षद प्रकाशचंदजी तथा भूपेन्द्रजी सिद्धि समूह ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई । कार्यक्रम की शुरुआत भगवान महावीर स्वामी के चित्र अनावरण से की गई इसके बाद चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित किया गया। सभी ने वीर वंदना का गायन किया। कार्यक्रम में कमेटी द्वारा विधवा व असहाय महिलाओं तथा मेधावी छात्रों को दी जाने वाली राशि के वर्ष 2014–15 के दानदातारों सर्वश्री प्रकाशचंद एडवोकेट, अशोकजी स्टेट बैंक, शीलचंदजी दिगौड़ा, पूरनचंदजी ननौरा, वीरेन्द्रजी, कैलाशजी वर्णी कालेज, राजेन्द्रजी कैलवारा, डॉ. संजयजी राख, विनोदजी किसलवाल, राजेशजी राख, महेन्द्रजी छिपाई, सुदर्शनजी व्या, निहालचंदजी बिरधा, श्रेयांशजी सेरवास, विनोदजी व्या, राजकुमारजी एडवोकेट, प्रशांतजी महरौनी, अतुल आशीष गाँधी, कैलाशचंदजी देवरान व श्रीमती किरन दीदी को तिलक माल्यार्पण कर तथा नारियल व प्रशस्ति पत्र भेंटकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथियों सहित महेन्द्रजी चूना, डॉ. हुकुमचंदजी पवैया, अरविन्दजी एलआयसी, अभयजी जमादार, रमेशजी राखपंचमपुर आदि ने अपने विचार प्रकट किये । सभी ने कमेटी सदस्यों को पत्रिका विमोचन की बधाईयां दी तथा पत्रिका प्रकाशित कराने व कार्यक्रम की भूरि भूरि प्रशंसा की और पत्रिका की उपयोगिता पर प्रकाश डाला तत्पश्चात मुख्य अतिथियों के कर कमलों से पत्रिका का विमोचन किया गया। कमेटी द्वारा इस सुअवसर पर उपस्थितजनों पर मुँह मीठा कराया गया। अंत में मंत्री अनिल जैन नारियल ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन राकेशजी डब्ल्यू के द्वारा किया गया। कमेटी सदस्यों द्वारा समाज के प्रति परिवार को दो दो पत्रिका भेंट की गयी । स्वल्पाहार के पश्चात कार्यक्रम का समापन किया गया।

विदिशा में चातुर्मास की स्थापना

कन्छेदीलाल जैन, विदिशा । परम पूज्य संत शिरोमणि 108 आचार्यश्री विद्यासागरजी महाराज के परम प्रभावक शिष्य 108 मुनिश्री प्रशांतसागर एवं मुनि श्री निर्वेगसागरजी की दि. 25.07.15 को कान्चेंट स्कूल के पास सकल दि. समाज द्वारा भव्य अगवानी की गई और जुलूस के रूप में अरिहंत बिहार मंदिर में विराजमान हुए। मुनिद्वय का चातुर्मास कलश स्थापना का कार्यक्रम दि. 2.08.15 को अरिहंत बिहार मंदिर में संपन्न हुआ। सर्वप्रथम आचार्य श्री की पूजन का भव्य आयोजन किया गया जिसमें स्थानीय श्रावकों के अतिरिक्त आस पास के क्षेत्रों से शताधिक श्रावकों ने उपस्थिति दर्ज कराई । मंगलाचरण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। मुनिद्वय को शास्त्र भेंट करने का सौभाग्य श्री अशोक जैन सागर एवं श्री जिनेश जैन जे.के. स्टोन गंजबासौदा ने प्राप्त किया।

चातुर्मास कलश स्थापना के तीन कलशों की स्थापना की गई । प्रथम कलश का सौभाग्य श्रीमती मधुबाला माताश्री डॉ. आनंद जैन एवं अभय वैद्य ने प्राप्त किया । द्वितीय कलश का सौभाग्य श्री रमेशचंद आकाश कुमार जैन महक आफसेट ने प्राप्त किया। तृतीय कलश स्थापना का सौभाग्य श्री के.एल. जैन ठेकेदार ने प्राप्त किया । प्रात:काल श्री प्रशांतसागरजी द्वारा जिन सरस्वती की कक्षा, पश्चात 8.30 बजे से इष्टोपदेश शास्त्र पर प्रवचन, दोपहर 3.30 बजे श्री निर्वेगसागरजी द्वारा पुरुषार्थ सिद्धुपाय पर कक्षा ली जा रही है । शाम को 6.30 बजे आचार्य भक्ति के कार्यक्रम में श्रावकगण बढ़ चढ़कर भाग ले रहे है । सचमुच चातुर्मास में धर्म की गंगा बह रही है ।

सिद्धक्षेत्र पवाजी में अष्टान्हिका पर्व साआनंद संपन्न

रविन्द्र जैन, झाँसी । जैन धर्मावलम्बी दशलक्षण महापर्व के साथ ही अष्टान्हिका पर्व भी बड़ी धूमधाम से मनाते है जो साल में 3 बार 8 दिनों की होती है । इन दिनों में कहीं ना कहीं बड़े विधान आयोजित किये जाते है । दिनांक 24.07.15 से 31.07.15 को पड़ने वाली अष्टान्हिका पर्व के दौरान अतिशय क्षेत्र पवागिरी (ललितपुर) में पूरा विरधा निवासी श्री अशोककुमार जैन ने अपनी धर्मपत्नी स्व. श्रीमती आशा जैन की स्मृति में सिद्धचक्र महामंडल विधान का आयोजन आदरणीय श्री धीरज भैय्या (राहतगढ़) के निर्देशन में कराया । विधान का शुभारंभ घटयात्रा के साथ हुआ । केशरिया वस्त्रों में सुसज्जित महिला एवं पुरुष जुलूस में गाजे बाजे के साथ कुएँ से पवित्र जल सुंदर घटों में भरकर धर्मध्वजा के साथ मनोरम दृश्य प्रस्तुत कर रहे थे । पवित्र मंत्रोच्चारण के साथ धर्मध्वजारोहण के साथ महामंडल विधान का शुभारंभ हुआ । प्रतिदिन संगीतकार श्री कुलदीप जैन भोपाल द्वारा संगीतमय वातावरण में पूजन तथा पवित्र मंत्रोच्चारण के साथ विधान के अर्घ चढ़ाये गये ।

सायंकाल संगीतमय आरती का भव्य आयोजन जिसमें पुरुष एवं महिलाए नृत्य के साथ आरती करती रही । इसके बाद भैय्याजी ने मधुर वाणी में प्रवचनों से पधारे हुए धर्मानुनायियों का ज्ञानवर्धन किया तत्पश्चात विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन कर विजेताओं को पुरस्कृत किया गया । विधान के अंतिम दिन महाअर्घ की पूर्ण आहुति के पश्चात श्री अशोककुमार जैन ने विधान में पधारे हुए समाज के सभी सदस्यों व अपने नाते रिश्तेदारों और पावागिरी सिद्धक्षेत्र में विकास में सहयोग देने वाले महानुभावों का शाल, श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया ।

वीएचईएल निवासी श्री रवीन्द्र जैन ने सभी का आभार प्रदर्शन किया तथा इस महामंडल विधान के सफल आयोजन के लिए श्री अशोक कुमार जैन के परिवार को हार्दिक बधाईयां प्रेषित की ।